ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६०
दिनांक- मंगलवार, ०८ अगस्त, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.9 एवं 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 86 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.5 एवं दोपहर में 32.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 86.3 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(09–13 अगस्त, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 09–13 अगस्त, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रह सकते हैं। इस अवधि में उत्तर बिहार जिलों में अगले एक–दो दिनों तक हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है, जबकि कुछ जिलों जैसे–समस्तीपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण के एक–दो स्थानों पर मध्यम से भी अधिक वर्षा हो सकती है। उसके बाद उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा की सम्भावना में कमी आएगी।
- अधिकतम तापमान 28 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले दो–तीन दिनों से वर्षा हो रही है तथा अगले 1–2 दिनों तक वर्षा होने की सम्भावना बनी रह सकती है, वर्षा जल का लाभ उठाते हुए किसान कम अवधि वाले धान की रोपाई सप्ताहंक समाप्त करने का प्रयास करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें। धान की खड़ी फसल में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- विगत सप्ताह में उत्तर बिहार में बर्षा हुई है, जिसके कारण जिस भी खेतों में जल जमाव की स्थिति बन गई है। किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि हल्दी, ओल तथा सब्जियों की नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सके।
- खरीफ मक्का की फसल में कीट–व्याधियों एवं फफूंदी धब्बों की निगरानी करतें रहें। कीट अथवा रोग की उपस्थिती में उपचार हेतु अनुषंसित दवा का छिड़काव करे। मक्का की 30–35 दिनों वाली फसल में बछनी कर 40 किलोग्राम नेत्रजन का व्यवहार करें। खड़ी फसलों एवं नर्सरी में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- जिन किसान भाई का प्याज का पौध 45–50 दिनों का हो गया हो वे पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दुरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर एवं 80 किलोग्राम पोटाष के साथ 20 किलोगाम सल्फर का व्यवहार करें। प्याज के पौध की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी–छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (10–15 सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी0ओ0–07, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर 300–350 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में 07–10 सेन्टीमीटर की दूरी पर बोयें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च–3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काषी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी0एस0एस0–267 अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम 75 प्रतिषत दवा से बीजोपचार करें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय 20 से 25 टन सड़ी गाोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 से 80 किलोग्राम फॉस्फोरस, 40 से 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार करे।
- फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दषहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिष्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाषंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम–1, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी 10 मीटर, बीजु के लिए 12 मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को 2.5x2.5 मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।

आज का अधिकतम तापमानः 28.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)